>

Title: Members offered felicitations to the Speaker.

प्रधान मंत्री (श्री नरेन्द्र मोदी) : आदरणीय अध्यक्ष महोदया जी, मैं सदन के सभी दलों का और सभी सदस्यों का हृदय पूर्वक अभिनंदन करता हूं कि सदन की महान परम्परा के अनुसार सर्वसम्मति से अध्यक्ष महोदया का निर्वाचन हुआ है। हम सबके लिए यह गौरव का विषय है कि विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र के इस मंदिर की व्यासपीठ पर एक महिला विराजित होकर, इसका पूरा संचालन करे, राष्ट्र की सामान्य मानविकी समस्याओं के लिए आपका मार्गदर्शन बहुत मूल्यवान रहेगा।

माननीय अध्यक्ष महोदया जी, इस सदन के लिए यह भी गर्व का विषय है कि आप इंदौर म्युनिसिपल कॉरपोरेशन के एक सामान्य सदस्य से लेकर कई दशकों तक सार्वजनिक जीवन में जनप्रतिनिधि के रूप में कार्य करते हुए इस सदन में पहुंची हैं और आठ बार इस सदन की सदस्या बनकर आपका अनुभव इस सदन के सुचारू रूप से संचालन में बहुत ही उपकारक होने वाला है।

इस सोलहवीं लोकसभा में एक ऐसा अवसर हमें प्राप्त हुआ है कि जब पहली बार लोक सभा का गठन हुआ था, करीब करीब वैसा ही एक अवसर हमें प्राप्त हुआ है कि जब देश में पहली लोक सभा का गठन हुआ, सभी सदस्य पहली बार आए थे। उसके बाद कई लम्बे अर्से के बाद एक ऐसे सदन का गठन हुआ है जिसमें करीब 315 सदस्य पहली बार चुनकर आए हैं। इसका तात्पर्य यह हुआ कि पुरानी कई परम्पराओं को छोड़कर, अच्छी नयी परम्पराओं का आरम्भ करते हुए, विश्व जिस लोकतंत्र के प्रति आशा की नज़र से देख रहा है, वैसा एक नया रूप विश्व के सामने प्रस्तुत करने का अवसर इस सदन को प्राप्त हुआ है। पुरानी महान परम्पराओं को आगे बढ़ाते हुए, यह जो नया रक्त आया है, नयी ऊर्जा आई है, वह अपने आप में विश्व के सामने एक सशक्त लोकतंत्र प्रस्तुत करने का एक अवसर इस सदन से बनेगा। यह लोकतंत्र का मंदिर नये सदस्यों के उत्साह और उमंग के कारण यह राष्ट्र के विकास की ऊर्जा का मंदिर भी बन सकता है। आपकी अध्यक्षता में, आपके मार्गदर्शन में, यह सदन अवश्य उस आशा और उन आकांक्षाओं की पूर्ति करने में सफल होगा। आपके नाम में ही गुण ऐसे हैं कि सबको मित्रता की अनुभूति होगी, सबको अपनेपन की अनुभूति होगी।

शास्त्रों में कहा गया है - महाजन येन गतः पंथाः। महाजन जिस राह पर चलते हैं उस राह पर चलना अच्छा होता है और यहां तो महाजन स्वयं विराजित हैं। इस सदन के लिए उस रास्ते पर चलना और अधिक उचित होगा। मैं आपको बहुत शुभकामनाएं देता हूं और विश्वास दिलाता हूं कि आपकी आशा और अपेक्षाओं के अनुरूप ये पूरा सदन आपके कार्य में सहयोग करते हुए भारत की सामान्य मानविक अपेक्षाओं की पूर्ति में कोई कसर नहीं छोड़ेगा। मैं फिर आपको एक बार बहुत शुभकामनाएं देता हूं और सभी दलों का हृदय से अभिनंदन करता हुं, धन्यवाद करता हूं जिनके समर्थन के कारण आज सर्वसम्मति से हम इस परंपरा को निभा पाए हैं।

HON. SPEAKER:

Shri Arjun Ram Meghwal,

Shrimati Darshana Vikram Jardosh and

Shrimati Jayshreeben Kanubhai Patel are permitted to associate with the speech of the hon. Prime Minister.

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे (गुलबर्गा): मैडम स्पीकर, मैं अपनी तरफ से, अपनी पार्टी की ओर से और सारे सदन की तरफ से आपका हार्दिक अभिनंदन करता हूं। यह पहला अवसर है जब आपको इस उच्च पद पर बैठने का मौका मिला है। अभी माननीय प्रधानमंत्री जी ने कहा कि भारत एक बहुत बड़ा डेमोक्रेटिक देश है। इस देश में इस चुनाव में कम से कम 55 करोड़ मतदाताओं ने हिस्सा लिया है और आज उसका नतीजा बाहर आया है। हम इसका स्वागत करते हैं। हम आपका अभिनंदन इसलिए करते हैं कि आप एक कॉरपोरेटर की हैसियत से, वकील की हैसियत से और डिप्टी मेयर की हैसियत से काम करके यहां तक पहुंची हैं इसलिए यह बहुत बड़ा साधन है। मुझे एक ही बार इस सदन में आने का मौका मिला था और यह दूसरी बार है। आप आठ बार चुनकर आई हैं। मैंने नौ बार कर्नाटक में शासक के रूप में काम किया है लेकिन यह मौका मुझे नहीं मिला था। जब कभी भी मैं आपको यहां देखता था, आप दूसरे नंबर बैंच पर बैठती थीं और आप एक ही सदस्या ऐसी थीं जो हाउस के उठने तक बैठी रहती थीं। हम भी देखते रहते थे कि सात बार चुनकर आने के बाद भी एक सदस्या गंभीरता से इस सदन में बैठती हैं, सुनती हैं, बोलती हैं और उसका बहुत बड़ा असर हम पर भी हुआ। हम सुनते थे जब हम वहां बैठते थे, आप हमेशा हंसमुख रहती थी और कोई भी बात बहुत गंभीरता से करती थीं। अगर किसी पर टीका टिप्पणी भी करनी होती थी तो बड़ी गंभीरता के साथ करती थीं। आज लोकतंत्र में सभी की हिफाजत करना सबको खुश रखना तो नहीं होता लेकिन सब के हकों की रक्षा करने का आपको अवसर मिला है। चाहे छोटी पार्टियां हों, चाहे बड़ी पार्टियां हों, आपको सबको साथ लेकर चलना है। जैसा कि माननीय प्रधानमंत्री जी ने कहा आप महाजन हैं लेकिन महाजन को लोकतंत्र के साथ जाना है। लोकतंत्र को साथ लेकर अगर महाजन गए तो सारे भारतवासियों के लिए ठीक होगा उनकी आवाज इस सदन में सुनी जाएगी। मैं ज्यादा कुछ नहीं कहते हुए एक ही बात आपके सामने रखना चाहता हूं -

हयात लेकर चलो, कायनात लेकर चलो।

चलो तो सारे जमाने को साथ लेकर चलो।

चाहे छोटी पार्टियां हों या बड़ी पार्टियां हों, आप सभी को साथ लेकर चलिए। ऐसी आशा करते हुए एक बार फिर मैं अपनी ओर से और अपनी पार्टी की ओर से आपका अभिनंदन करता हूं।

DR. M. THAMBIDURAI (KARUR): Respected Madam Speaker, on behalf of my party leader and hon. Chief Minister of Tamil Nadu, Amma, and on behalf of my party AIADMK, I congratulate you on your unanimous election as the Hon. Speaker of the Sixteenth Lok Sabha. This is only the second time that a woman Member of Parliament of this august House has been elected as the Speaker of this House.

Madam Speaker, we are very happy that you have begun another chapter in your distinguished political career as the Hon. Speaker of the Sixteenth Lok Sabha. This is not a new assignment for you because you occupied this Chair last time as a member of the Panel of Chairpersons. We had witnessed in the House how efficiently and impartially you handled the House. Therefore, we know about your efficiency, and you are the apt person to occupy this position.

Madam, we have rules and regulations to run the House. They are necessary. At the same time, we have to respect the feelings of the Members. They have been elected by the people and sent here to express their grievances and views about what is happending in their constituencies.

Therefore, while following the rules and regulations, you have to also see that to an extent only you can use them.

Once, when a famous Speaker of this House was asked as to how he managed the House so well to be called a good Speaker, he responded that it was because he did not know about regulation of the House. Therefore, you have to run the House consciously, understanding the feelings of the Members. That is more important. I am sure you know that because you have experience in this and you will help all the Members express their grievances, views and feelings in the House.

Madam, on this occasion I would like to pay rich tributes to the women of this country for the great service they are rendering for the welfare of the people. Here I am reminded of the great contribution made by women who occupy high Constitutional offices in the country.

Madam Speaker, presently we have four women Chief Ministers in the country including the Chief Minister of Tamil Nadu. I want to put it on record that because of her contribution to the nation and the State of Tamil Nadu, because of the welfare programmes that she implemented, out of the 39 Lok Sabha seats contested in the State, we won 37 seats. That is the greatness of the womanhood. I would like to say that is how women are contributing to the nation and ensuring that people win and come to Parliament. That way, you can do so many things, Madam.

Once again, on behalf of my party AIADMK I assure you of our fullest cooperation in maintaining the dignity and decorum of this House and I compliment you on your assumption of office of the Hon. Speaker of Lok Sabha.

SHRI SUDIP BANDYOPADHYAY (KOLKATA UTTAR): Madam, we congratulate you on behalf of Trinamool Congress and on behalf of our Chairperson, Chief Minister Mamata Banerjee.

Madam, we are listed at No. 17 in today's List of Business. That means, all is well that ends well. Trinamool Congress is at No. 17. That means everything is running smoothly and everything will go smoothly according to our estimation.

Madam, before you there was another woman Speaker, Meira Kumar. I must mention her name here because she also maintained the House very nicely. And your presence, your appearance, your ever smiling face have already started giving us the very first impression that you will accept the very common philosophy of parliamentary democracy that the House belongs to the Opposition.

The huge number of Members on the Government side should not make you feel that the Opposition is small. The big number on the Treasury Benches should not make them feel that the small Opposition can be taken for granted. I am very confident that we will try and see that the House runs smoothly with the prestige of the Opposition upheld. As Mr. Mallikarjun Kharge said, all parties, whether small or big, should be given proper justice.

Madam, you will be glad to know that out of 42 Lok Sabha seats in West Bengal, we have won 34. Out of them, from 1/3 seats we have brought women MPs this time to the Lok Sabha.

Reservation for one-third women in the Parliament is a long-pending demand of many political parties; we are here, but we could not succeed in doing that. But in this Parliamentary election, our leader Kum. Mamata Banerjee, has made that out of 34 Members, 11 Members are women. So, we have succeeded up to that level. Naturally we welcome your assignment as the unanimous Speaker. We welcome you for occupying that Chair.

SHRI BHARTRUHARI MAHTAB (CUTTACK): As a veteran Parliamentarian, you have established your name and fame in this country. As has been just rightly said, you started your career as a corporator; you became the Deputy Mayor; and for the last eight terms, you have been elected from the same constituency, and has been a Minister of State for HRD; subsequently, you sat in the Opposition, and also headed a very important Standing Committee on Rural Development which gave this country, a beautiful report on land acquisition.

I am hopeful that under your guidance, this House will be a very productive House – no matter the Treasury Benches are large, no matter the Opposition is splintered, but as has been said many times in this House, the Treasury Benches will have their way, no doubt, but allow us, allow the Opposition to have its say.

You have been instrumental in installing a very historic figure, a statue of Ahalya Bai Holkar. Any one, who visits the Library Complex, seldom recognizes, because it is closed by different glasses; I have heard many people ask, 'whose statue is this?' I think, that statue needs to be uplifted from that enclosure to a wider space in the courtyard under your leadership.

I am happy that Indore has been in the annals of history for very many years – be it during Raja Bhartruhari's time, be it during Raja Vikramaditya's time, or be it during Ahalya Bai Holkar's time, India was one; in that respect, this House will be one for the cause of the nation. The Biju Janata Dal has 20 Members in this House, out of 21 from Odisha, under the leadership of Mr. Naveen Patnaik. We expect great challenges to be met and also to overcome, under your leadership and under your guidance.

The only thing which will guide you is the photograph of the first Speaker of this House, Mr. Mavalankar. One thing is constant – changes do occur, but change is a constant in this world. I hope, with change, many new things will come out and with change, prosperity will come.

With these words, I conclude; I extend fullest cooperation from my Party, the Biju Janata Dal, to you for the smooth conduct of the proceedings of the House.

भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्री (श्री अनन्त गंगाराम गीते) : अध्यक्षा जी, मैं अपनी ओर से, अपनी पार्टी की ओर से और अपनी पार्टी के प्रमुख उद्धव ठाकरे जी की ओर से आपका अभिनंदन

करता हूँ। आपका अभिनंदन करते हुए मैं सन् 1989 की एक बात को याद करना चाहूँगा। आप सन् 1989 में पहली बार जीत कर संसद में आई थीं। उसी समय आपके भाई मधु साठे मुंबई से लोक सभा का चुनाव लड़ रहे थे। आप लोक सभा के चुनाव में जीत गई थीं और वे हार गए थे। राजयोग आपके नसीब में था और है। आज आप राजयोग के शिखर पर यहां विराजमान हो गई हैं।

मैंने संदर्भ के लिए उस घटना को याद किया है। आपके पास बहुत लम्बा अनुभव है। आप इस सदन के सभापति पैनल में रही हैं। आपने अपने लोक सभा के आठ बार के लम्बे कार्यकाल में कई लोक सभा अध्यक्षों को अनुभव किया है। मुझे पूरा विश्वास है कि हमारी लोक सभा की जो गरिमा है, लोकतंत्र की जो गरिमा है, आप उस गरिमा को बनाये रखेंगी, बल्कि आपके कार्यकाल में लोक सभा की गरिमा और बढ़ेगी। मैं ऐसी उम्मीद यहां पर करता हूं। मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि आपके पूरे कार्यकाल में सदन को सुचारू रूप से चलाने के लिए शिव सेना की ओर से आपको पूरी तरह सहयोग मिलेगा।

THE MINISTER OF CIVIL AVIATION (SHRI ASHOK GAJAPATHI RAJU): Madam, Speaker, we are delighted to see you in the Chair and we congratulate you. We are the largest democracy in the world and you require all our support to run this House and make democracy vibrant in our country. Responsibility is on all of us, whether we are in the Opposition or in the Ruling Party and I am sure you will motivate us to behave like true democrats. We congratulate you on behalf of our Party and look forward for a meaningful term of Office which will make you immortal of sorts. Mavalankar's name has not been forgotten in Indian democracy and can never be forgotten. We hope that your name will reach that stature and make us all proud of you Madam. We wish you the best and look forward to working with you in this House.

SHRI P. KARUNAKARAN (KASARGOD): Thank you Madam. At the very outset, on behalf of my Party CPI(M) I congratulate you on being elected as the Speaker of the 16th Lok Sabha. The unanimous election gives immense pressure. I think it opens a new chapter in the beginning of this Session itself. Madam, it is true that the seat or the Chair of the Speaker gives not the pressure but the strain and pain at many a time. You have witnessed that. I am sure that such adverse situations can be converted to the pleasant ones because it depends upon the efficiency and approach of the Speaker. Madam, being a Member of the 14th and 15th Lok Sabha I had the occasion to watch your efficiency and ability as the great parliamentarian. You had been in the Chair many a time and in the difficult situations, not by shouting but by uttering sweet words and also maintaining the pleasant approach you had been able to control the House. The Government has got the majority in the House and hence there is no need of any assistance but at the same time the Opposition and small Parties represented in the House need your protection and assistance. As one great man has said, 'It is not important what the majority thinks but it is important what the minority thinks about the decision of the majority'. I think having enjoyed the great majority the Government may think in this way. I am really glad that you have been elected unanimously as the Speaker of this House.

SHRI MEKAPATI RAJAMOHAN REDDY (NELLORE): Madam Speaker, on behalf of my Party, my Leader Shri Jagan Mohan Reddy and on my own behalf, I whole-heartedly congratulate you on your unanimous election as the Speaker of this House.

Madam, with your long experience as a parliamentarian and as a Minister in the Government of India and with your great soberness and tolerance I am very confident that you will be able to run this House very effectively, efficiently and impartially also. In any democracy, voice of dissent must be heard and it should always be protected. I hope you would definitely be able to do it.

Finally, on behalf of Members of my Party and on my own behalf, I assure you that we would extend our fullest cooperation in running this House and also in maintaining the dignity and decorum of this House.

उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्री (श्री राम विलास पासवान) : माननीय अध्यक्ष महोदया, मैं आपको सर्वप्रथम अपनी पार्टी लोक जनशक्ति पार्टी की ओर से तथा सरकार की ओर से बहुत-बहुत बधाई देना चाहता हूँ कि आप देश की सर्वोच्च सत्ता के अध्यक्ष पद पर आसीन हुई हैं।

महोदया, मैं यहाँ 1977 से हूँ और मैंने सदन की कार्यवाही को देखा है। सदन की कार्यवाही में एक तरफ जन-भावना है, लोगों की समस्या है और दूसरी तरफ चेयर की मर्यादा और सदन की मर्यादा का सवाल उठता है और दोनों को मिलाकर चेयर को चलना पड़ता है। माननीय सदस्य जानते हैं कि बहुत सी बातें सदन में नहीं उठनी चाहिए, लेकिन फिर भी वे उठाते हैं। इसलिए उठाते हैं कि इस देश में गरीबी है, भुखमरी है, बेरोज़गारी है, बदहाली है, और ऐसे में वहाँ की जो समस्या है, उसके लिए वहाँ के लोग एक्सपैक्ट करते हैं कि इन समस्याओं को हमारे सांसद सदन में उठाएँगे। उनको नहीं मालूम है कि क्या काम मुख्तिया का है, वे इस बात को रियलाइज़ नहीं करते हैं कि क्या काम एम.एल.ए. का है। वे उम्मीद करते हैं कि हमारी जो समस्या है, वह संसद के सदस्य सदन में ज़रूर रखेंगे। लेकिन संसद का अपना कानून है, वह अपने कानून के मुताबिक चलता है और चेयर को उसमें बैलैन्स करना पड़ता है। एक तरफ जनभावना है तो दूसरी तरफ रूल-रेगुलेशन्स हैं। एक कहावत है - एक्ट, फैक्ट और टैक्ट। एक्ट अलग है, पार्लियामैंट का कानून अलग है। फैक्ट अलग होते हैं, जो जनता के होते हैं, और चेयर को टैक्टफुली सदन को चलाना पड़ता है। मैं समझता हूँ कि जो आपका नेचर है, जो आपका स्वभाव है - हमेशा मुस्कुराते रहना, किसी को कभी ऊँची आवाज़ में नहीं बोलना, सब लोगों के लिए आप आदर्श हैं। उस चेयर के ऊपर आप विराजमान हैं। हमें पूरा विश्वास है कि आपके नेतृत्व में सदन की गरिमा आगे बढ़ेगी। हमें पूरा विश्वास है कि जो पावर-टु-द-पूअर की बात है कि गरीब का राज कैसे देश में कायम हो, कैसे आम आदमी का जीवन सुखमय हो, इस दिशा में जो भी कदम सदन में आएगा, आप उसको सदन की चेयर की हैसियत से प्रोत्साहित करने का कष्ट करेंगी।

मैं एक बार फिर कहना चाहता हूँ और मुझे पूरा विश्वास है कि आपके नेतृत्व में जो हमारा लोकतंत्र है, यही वह लोकतंत्र है जिसमें राम विलास पासवान जैसा एक दलित का बेटा भी देश का मंत्री बन जाता है। अगर लोकतंत्र नहीं रहता तो हम कभी सोच भी नहीं सकते और गाँवों में जाकर अछूत बने रहते। यह लोकतंत्र की मर्यादा है, लोकतंत्र की देन है और हम सब लोगों का दायित्व है कि इस लोकतंत्र की जड़ें जो नीचे गई हैं, और अधिक से अधिक इन जड़ों को इतनी दूरी तक ले जाएँ कि कभी कोई उसको उखाड़ नहीं पाए।

श्री तारिक़ अनवर (कटिहार) : अध्यक्ष महोदया, मैं सबसे पहले अपनी ओर से और अपनी पार्टी एन.सी.पी. की ओर से आपका हार्दिक स्वागत करता हूँ और बधाई देता हूँ। अभी प्रधान मंत्री जी ने, कांग्रेस के नेता ने तथा तमाम दलों के नेताओं ने आपके प्रति जो भावना रखी है, उससे अपने आपको जोड़ते हुए मैं यह विश्वास करता हूँ कि आपकी अध्यक्षता में सदन की मर्यादा और सदन की परंपरा बनी रहेगी।

महोदया, आपने अपना राजनीतिक जीवन एक ज़मीनी कार्यकर्ता से शुरू किया है और यहाँ सदन में सर्वोच्च स्थान को प्राप्त किया है। मैं समझता हूँ कि आपका इतना लंबा अनुभव है और इस सदन में आप आठवीं बार चुनकर आई हैं। सदन के बारे में आपको कुछ बताना, मैं समझता हूँ कि उसकी कोई आवश्यकता नहीं है। उस अनुभव का लाभ आप उठाएँगी और तमाम पक्षों को एक साथ लेकर, विश्वास में लेकर जो हमारे इस सदन की परंपरा रही है, उसके अनुसार सबको अवसर मिलेगा और आने वाले समय में इस सदन से जो हम इस देश की जनता की सेवा करना चाहते हैं, उसको आपकी अध्यक्षता में मज़बूती मिलेगी। अंत में फिर एक बार हम आपका अभिनंदन और स्वागत करते हैं।

श्री मुलायम सिंह यादव (आजमगढ़): अध्यक्ष जी, सर्वसम्मति से इस पद पर आप चुनी गई हैं। इसके लिए मैं आपको बहुत-बहुत बधाई देता हूं।

महोदया, यह सही है कि जहां आप बैठी हैं, वहां से सदन को चलाना बहुत कठिन होता है। सभी को खुश करना, सबकी समस्याएं सुनना, सब को संतुष्ट करना, यह आपका उत्तरदायित्व है। लेकिन सभी को खुश करना आपके लिए भी कठिन है, मुश्किल है। यह पद जहां सम्मानजनक है, वहीं कठिनाई भी आपके सामने बहुत बड़ी है। मैं ज्यादा नहीं कहूंगा क्योंकि हमारे साथियों ने कह दिया है, लेकिन यह ध्यान रखना कि सरकार कोई भी हो, चाहे हमारे दल की भी हो, कहीं भी हो, वह थोड़ा तानाशाही करती है और विपक्ष को कुचलने की कोशिश करती है। इस संबंध में जरूर मेरा आग्रह है, प्रार्थना है कि आपको विपक्ष को संरक्षण देना बहुत जरूरी है। इन्हीं शब्दों के साथ पुनः आपको बधाई और मेरी कामना है कि आप इस सदन को चलाने में सफल बनें।

श्री राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव (मधेपुरा) : महोदया, सबसे पहले मैं अपने दल राजद की तरफ से आपका अभिवादन करता हूं। आप एक ऐसे राजनीतिक व्यक्तित्व के रूप में इस पद पर बैठी हैं, जहां निचले स्तर से एक जरूरतमंद इंसान, अभावग्रस्त इंसान को बहुत नजदीक से समझते हुए, आम आदमी के दर्द को समझते हुए इस शिखर पर, आप सबसे उच्च चेयर पर विराजमान हुई हैं। मैं चाहता हूं कि कांग्रेस और यूपीए की सोच और विचारों ने जिस तरह से महिला सशक्तिकरण को देखते हुए सर्वप्रथम महिला के रूप में श्रीमती मीरा कुमार जी को इस चेयर पर बैठने का गौरव प्राप्त हुआ था, बीजेपी की सरकार ने भी उस निर्णय को बहुत मजबूती के साथ इस चेयर पर एक ऐसे व्यक्तित्व को विराजमान किया है, जो आम आदमी के दर्द को समझता है। मैं आपका पुनः एक बार हृदय से इस सदन की मर्यादा और इस सदन के जो उच्च मापदंड हैं, मूल्य हैं, उनकी रक्षा करते हुए हम छोटे दलों के जो सांसद हैं, उनकी जरूरत को समझने की जरूर कोशिश करेंगी। यह बात सही है कि बाहर बहुत आलोचनाएं होती हैं। जब आंध्र के सवाल पर मिर्ची फैंकी गई थी, तब बहुत आलोचना हुई थी। आलोचना करने वाले वही लोग हैं, जो अपेक्षा रखते हैं कि हमारा सांसद क्षेत्र के बारे में, अपने राज्य के बारे में कुछ करे। यदि सांसद ऐसा नहीं करके जाते हैं तो यह सवाल सदन में उठता है और संसदीय क्षेत्र में भी उठाया जाता है। जैसा रामविलास पासवान जी ने कहा है, निश्चित रूप से यह बहुत ही आवश्यक है एक आम आदमी एक सांसद के रूप में।

अंत में मैं यह जरूर कहूंगा, प्रधानमंत्री जी ने एक बात कही कि आजादी के बाद दूसरी बार ऐसा मौका आया है कि सदन में 314 नये सांसद आए हैं। निश्चित रूप से थोड़ा सा फर्क है, तब जब आए थे तो आजादी का वक्त था। विचारधारा गांधी की थी, विचारधारा अम्बेडकर की थी, विचारधारा देश को सशक्त रूप से दुनिया में ले जाने की थी, लेकिन आज जो लोग आए हैं, आजादी के 66 साल बाद जब पूरी दुनिया हिन्दुस्तान का लौहा मानती हो और अपना नत मस्तक करती हो, तब हम 314 नये सांसद आए हैं। देश को साम्प्रदायिक सौहार्द के रूप में जाना जाता है, तब हम आए हैं। नये सांसदों की संख्या जो आज ज्यादा है, उसमें आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र भाई की विचारधारा ज्यादा है, इसको मानने वाले लोगों की संख्या ज्यादा है। इसको मानना होगा कि तब गांधी और अम्बेडकर की विचारधारा थी, आज नरेन्द्र मोदी जी को मानने वाले लोगों की संख्या उधर ज्यादा है। इस बात के लिए वह निश्चित रूप से धन्यवाद के पात्र हैं, लेकिन फर्क है, गांधी और आज में फर्क है।

THE MINISTER OF FOOD PROCESSING INDUSTRIES (SHRIMATI HARSIMRAT KAUR BADAL): Madam Speaker, on behalf of my Party, Shiromani Akali Dal and our Chief Minister, Shri Parkash Singh Badal, I extend warm felicitations on your appointment as the Speaker.

Madam, as a woman MP, it gives me great pride that today, the longest serving woman Member of Parliament has been elected unanimously by this House for this august post. As you are aware, a very small minority of women MPs, I think, just 61 of us out of this huge number today have come here as women MPs. Many of us are first timers in this Lok Sabha. We look forward to your encouragement and protection so that this small minority of women MPs that represent half the population of our nation will get equal opportunity to raise issues that concern the women of our nation. I hope that my colleague women MPs over here will get a chance to put forward those issues that the women of our country look forward towards us to raise them.

So, as a woman Speaker, I am sure, you will encourage us and give us your protection. I assure you that we will cooperate with you in every way for the smooth running of this House so that the 16th Lok Sabha goes down in history as being the most constructive, forward thinking and effective Lok Sabha that ever was.

श्री धर्म वीर गांधी (पटियाला) ः मैडम, मैं अपनी तरफ से, अपने सदस्यगण की तरफ से और पार्टी की तरफ से आपका इस उच्च पद पर आसीन होने पर और जिस तरह आपका चयन सर्वसम्मति से हुआ है, आपका अभिनंदन करता हूं, आपको शुभकामनाएं देता हूं।

इस से पहले कि हम आपसे क्या अपेक्षाएं करते हैं, मैं आपको यक़ीन दिलाता हूं कि हमारी पार्टी, इसके सभी सदस्यगण, आपको इस सदन को सुचारू रूप से चलाने के लिए पूरा सहयोग करेंगे, हर तरीके से आपको सहयोग देंगे। हम आप से अपेक्षा करते हैं कि आप सभी छोटे दलों को, यहां तक कि इंडीविडुअल मेम्बर्स को भी, उन्हें जो स्थान बनता है, जो समय बनता है, उसमें पूरा हिसाब करेंगे।

SHRI A.P. JITHENDER REDDY (MAHABUBNAGAR): Respected Madam Speaker, on behalf of our leader and first Chief Minister of Telangana State, Members of Parliament from Telangana and people of Telangana, I congratulate you for being the second lady Speaker of the House.

Madam, as you are aware, our State is newly born. It is only five days old. You should support us in a very big way and see that our State grows like your children. I have known you since 1999. We always used to call you '*didi*' but from now onwards, we will call you 'Madam Speaker'. We have confidence in you that a lot of opportunities will be given to us to speak in this House as we are new here. Out of 17 MPs in Telangana, there are 11 MPs who have won from TRS Party. People of Telangana have sent us here to rebuild Telangana. We definitely hope that you will give us a good chance to speak so that we can tell this Government and the House about our problems.

Our Party will cooperate with you and will be with you.

*m20

श्री बदरुद्दीन अजमल (धुबरी): मैडम, मैं सबसे पहले आपको अपनी पार्टी यू.डी.एफ. की तरफ से, जो असम से है, आपको वेलकम करता हूं। मैं प्रधान मंत्री जी को भी उनकी पूरी टीम के साथ वेलकम करता हूं। मैं याद दिलाना चाहता हूं कि उन्होंने बार-बार कहा था कि अच्छे दिन आने वाले हैं। मैं समझता हूं कि जरूर हम जैसी छोटी-छोटी पार्टियों के भी अच्छे दिन आएंगे।

मैडम, आप एक अच्छी मां के रूप में है। गुजिश्ता मर्तबा भी मैं था, आप ने कई मर्तबा उसी ज़गह से बड़े प्यार से बात किया। हमारे असम के लिए सबसे बड़ी समस्या फ्लड और इरोज़न है। मैं समझता हूं कि प्राइम मिनिस्टर साहब भी इसको नोट करेंगे। हमारी पार्टी हर अच्छे काम में आप जो चाहेंगे, जैसे चाहेंगे हम आपके सपोर्ट में हैं, इसका मैं आपको आश्वासन देता हूं।

कुमारी महबूबा मुफ्ती (अनंतनाग) : मैडम स्पीकर, मैं अपनी और अपनी जमात की तरफ से आपको मुबारकबाद देना चाहती हूं। खासकर जब हमने आपके बारे में बिलखुसुस यह सुना कि आप बहुत ही ज़मीनी लेवल से उठ कर वहां पहुंची हैं, इसके लिए मैं दोबारा आपको सलाम करती हूं, क्योंकि बहुत कम ऐसा होता है। दूसरी बात यह है कि मीरा कुमार जी के बाद आप दोबारा लेडी यहां आ गई, इसकी भी हमें खुशी है और शायद इस वजह से ज्यादा है कि एक औरत, जो एक लेडी है, वह ज्यादा सेंसटिव होती है। She is more inclusive as compared to men. No offence meant for men.

मैं उम्मीद करती हूं कि जैसे यहां कई अपोजिशन के लीडर्स ने भी कहा कि हमें नम्बर्स के हिसाब से तोला नहीं जाएगा, क्योंकि हम जहां से चुन कर आए हैं, जम्मू-कश्मीर की स्टेट, वहां सिर्फ छ: मेम्बर्स हैं। मगर जिन हालात में बिलखुसुस कश्मीर से जिस तरह, जिन लोगों ने हमें चुना है, जिन हालात में चुना है, कई लोगों की जानें गई, कई किस्म के ख़िदमत उनको उठाने पड़े। उनको यह उम्मीद है कि इस पार्लियामेंट में, जिसका मेरे ख्याल में 20-30 साल के बाद आपको एक डिसाइसिव मेंडेट मिला है। जैसे वज़ीरिआज़म साहब ने फरमाया कि 315 लोग नये चुन कर आए हैं। एक नया हुबाब है, एक नया जोश है। इस पार्लियामेंट से हमारे लोगों को बहुत उम्मीदें हैं, खासकर जवानों को, जिन्होंने गोलियों का मुकाबला किया, हर चीज का मुकाबला किया। हमारी बच्चियों को, जिन्होंने बहुत ही खतरनाक हालात में निकल कर वोट डाले हैं। उनको ये उम्मीद है, जैसे वज़ीरिआज़म साहब ने फरमाया है, वाजपेयी जी ने जम्मू-कश्मीर की समस्या, जिसने 60 साल से इस मुल्क को बांधे रखा है। हर वज़ीरिआज़म का वह चैलेंज रहा है। उन्होंने बहुत अच्छा नुस्खा बताया था, अंदरूनी, कि जम्मू-कश्मीर की समस्या का समाधान इंसानियत के दायरे में करेंगे। आप दोस्त बदल सकते हैं, नेबर नहीं बदल सकते। मुझे खुशी है वज़ीरिआज़म साहब ने उसकी एक शुरुआत की है।

मैं उम्मीद करती हूं कि हमारे नम्बर को आप न देखें। हमारी जो दिक्कतें और मुश्किलातें हैं, शायद पूरे मुल्क से ज्यादा हैं। हमें अपने लोगों की नुमाइंदगी करने का पूरा मौका मिलेगा और उनका दु:ख आप लोगों के साथ बांट कर, ताकि इस हाउस से हमारी हर मुश्किल का, issue of Kashmir and issues of Kashmir का यहां से समाधान मिले।

मैं दोबारा आपको एक बार फिर से मुबारकबाद देना चाहती हूं।

श्री दुष्यंत चौटाला (हिसार) : मैडम स्पीकर, मैं अपनी ओर से और इंडियन नेशनल लोक दल पार्टी के मुखिया चौधरी ओम प्रकाश चौटाला जी की ओर से आपको आज इस पद पर विराजमान होने के लिए बहुत-बहुत बधाई देता हूं। कहीं न कहीं मेरे लिए सौभाग्य की बात है कि आप चौधरी देवीलाल जी और मेरे पिता जी के साथ भी इसी हाउस में काम कर चुके हैं। आज मुझे भी आपके साथ काम करने का मौका मिला। इस हाउस का सबसे युवा सांसद होने के नाते भी आपको बहुत-बहुत बधाई देता हूं और यही इच्छा रखता हूं कि जब हम बोलें तो हमें भी बराबर मौका दिया जाए, कहीं युवा होने के नाते हमें नकारा न जाए।

SHRI NEIPHIU RIO (NAGALAND): Madam Speaker, I, on my own behalf and on behalf of my Party, the Naga People's Front and also on behalf of the North-East Regional Parties Front, extend my heartiest congratulations to you on being elected to the post of the Speaker of the 16th Lok Sabha.

I am positive that your vast experience in public life and your sincere concern for the people of the country will go a long way in further elevating the prestige and status of the post of Lok Sabha Speaker and conduct the business of this House in a manner that is inclusive by reaching out to all parts of the country through the hon. Members, irrespective of their party affiliation, caste, creed or status.

My State is now fifty years old. One of my colleagues from Telangana had stated that his State is five days old. Yet, our State has a lot of problems and the political issue of the Nagas is yet to be resolved. I, being a lone Member of the State, we have a lot to discuss and to resolve them, I look upon the Chair to protect the Members not only on the basis of the number, party or the big size but also to protect the minorities and the people who represent the people to highlight their problems.

Madam, we assure you of all our cooperation to the Chair. We hope that this House will be productive and will push the country forward to growth and it will become a developed country.

श्री कौशलेन्द्र कुमार (नालन्दा): माननीय अध्यक्ष महोदया, आप 16वीं लोक सभा की अध्यक्ष चुनी गई,

इसके लिए मैं आपको बधाई देता हूं। मैं अपनी पार्टी जनता दल (यू) की तरफ से भी आपको बधाई देना चाहता हूं और आपको विश्वास दिलाना चाहता हूं कि जो भी नये माननीय सदस्य चुनकर आये हैं या दूसरी बार चुन कर आये हैं, उन तमाम लोगों की रक्षा करना आपका कर्तव्य बनता है। हम अपनी तरफ से आपको विश्वास दिलाते हैं कि हम तमाम सांसदगण आपके साथ सहयोग करेंगे।

SHRI H.D. DEVEGOWDA (HASSAN): Madam Speaker, the whole House today unanimously elected you to the highest Office of the Speaker. The Resolution was moved by the hon. Prime Minister, seconded by Shri L.K. Advani and joined by the Leader of the Opposition as also all the political parties to elect you to the highest, exalted Chair, to elect you as the Speaker of this House. It is the responsibility of all of us to see that the House is conducted smoothly. It is not only the responsibility of the ruling party but also that of the opposition parties, whether big or small, to see that the House functions smoothly. I witnessed the Fifteenth Lok Sabha. I do not want to see such things again in the Sixteenth Lok Sabha. Today, the Government has the majority. Today, there is no dearth of majority to the Government. The majority Party is there. I would, therefore, request the Leader of the House to give a little more time to the regional parties to express their views concerning the various problems faced by them.

With these words, with all sincerity, I once again congratulate you and I assure you on my behalf and on behalf of my Party, that I would extend full cooperation to the Chair with all due respect, without creating any problem by the opposition.

SHRIMATI ANUPRIYA SINGH PATEL (MIRZAPUR): Hon. Speaker, I wish

to congratulate you and extend my warmest greetings on behalf of my Party President and on behalf of my Party *Apna Dal* on your unanimous election today as the Speaker of the House.

It is a great opportunity that a woman is occupying the prestigious position for the second time in the history of this House. I learnt about your illustrious career from the senior Members who expressed their views some time back. We all have great hopes from you, Madam, as we are aware of your tremendous potential since you have risen from a Corporator to the Speaker of the Parliament today.

Madam, I have a very small strength of only two Members in the House. Still, I would expect you to give me sufficient time to express my opinions and concerns about my constituency Mirzapur, my State of Uttar Pradesh and the people in this House. We are 350 new Members in the House. So, on behalf of the new Members also, I am communicating to you to allow us to express, learn and grow. On behalf of the 16 women Members who see in you the reflection of our mother, I would request you not to protect us but to guide us, correct us whenever we are wrong and to allow us to grow and to be more empowered.

Hon. Speaker, we are confident that you will uphold the sanctity of this House. On behalf of my Party, the *Apna Dal,* I assure you of my fullest cooperation as a Member to ensure the smooth functioning of this House so that we have maximum number of constructive working days.

With these words, I thank you so much once again and my congratulations are to you.

SHRI ASADUDDIN OWAISI (HYDERABAD): Madam, at the outset, let me start by quoting what the first Prime Minister of India said:

> "The Speaker represents the House. The Speaker represents the dignity of the House, the freedom of the House and because the House represents the nation, in a particular way, the Speaker becomes a symbol of nation's freedom and liberty. Therefore it is right that it should be an honoured position, a free position and should be occupied always by people of outstanding ability and impartiality."

Madam, I congratulate you; my best wishes to you. I am sure that with your vast experience, you will be able to discharge your fundamental duty as a Speaker, that is the maintenance of order in this august House.

I have seen you, Madam, as the Chairman of the Standing Committee on Social Justice and Empowerment. When I had entered this august House for the first time, you had given me a lot of opportunities. I am sure that with you on the Chair of this august House, a minority Member belonging to the Muslim minority would be given ample opportunity to raise the issues. Let me also remind you, Madam, taking this opportunity, that the ruling party with a brute majority is not new to this august House. I am sure that you will live up to the great ideals and independence of the Speaker's post which has been laid down by Mr. Mavalankar. Also, the people of India want their hopes, aspirations, ambitions, apprehensions and insights to be addressed in this august House. For that, we require a free and fair debate in this august House. I am sure that you will give ample opportunity to the opposition Members to corner the Government on issues concerning the people.

Madam, let me end by saying that though you have been elected on lotus symbol, but the Speaker must be like a lotus flower which grows on water but does not allow the water to stick to it.

DR. ANBUMANI RAMADOSS (DHARMAPURI): Madam, on behalf of my Party, Paattali Makkal Katchi, PMK, and my leadeer Dr. Ramadoss, I would like to wholeheartedly congratulate you on being unanimously elected as Speaker of this historic House.

Madam, you have been given the key to the temple of the biggest democracy of the world. We are all very confident that you will come out successfully. Also, we, as Members, would like to extend our full cooperation to you so that the dignity, decency and decorum of this House is maintained.

SHRI N.K. PREMACHANDRAN (KOLLAM): Respected Madam Speaker, on behalf of my Party, Revolutionary Socialist Party, I extend warm greetings and wishes to you on your assuming the highest office of democracy, the Speaker of 16th Lok Sabha.

Madam Speaker, the 16th Lok Sabha is creating a precedent or convention that the office of the Speaker belongs to women. Really it is a history or a precedent what has started during the time of UPA for which definitely the Congress deserves congratulations for making a history and having the office of speaker held by a woman. That is being continued by NDA also. It is a welcome step on the part of NDA also for which I extend my congratulations to the NDA for giving this opportunity to a woman so as to hold the highest office of democracy in our country.

Madam, I have gone through the composition of this House. The composition of this House is unique. I belong to a party having only a single Member. There are 10 single-Member Parties and 6 two-Member Parties. That is the composition of the House. The success of democracy lies in how the office of the Speaker is able to protect the interest of opposition especially the smaller groups which are representing the entire country and also how the office of the Speaker is able to run the business of the Government in a better way. With your vast experience from the Municipal Corporation to the office of the Speaker, the vast experience which you have gained during the last so many decades, definitely we hope that you can very well succeed in this task, taking into confidence the smaller parties, the opposition as well as the Government. For this, I extend my

greetings and wishes. Let it be a grand success.

SHRI E. AHAMED (MALAPPURAM): Thank you very much hon. Madam Speaker. This is really the happiest occasion for me to congratulate you as the Speaker of this House. I have been working with you as a Member of this House for the last six terms. This is my seventh term and your eighth term. Therefore, nobody needs to give any lesson or guidance because you yourself have acquired the experience as to how to run the House and how to deal with the hon. Members. Now, we have a person, ever smiling in appearance, as a Speaker of this House. We are very much happy about it.

Hon. Speaker, I would like to mention one thing. My party is here since 1952. Our members have been cooperating with the Government every time wherever it is to cooperate and opposing wherever it is to oppose. This is the fact of democracy. We have been following the democratic principles. Democratic principles say that if the Government is doing bad thing for the people and you are in the Opposition then, oppose the Government, expose the Government and if possible depose the Government.

Hon. Speaker, as you know, we are a small party having the right to ventilate the sentiments of the people. Here the minority in India cannot be ruled out, ignored and forgotten by any Government. Minorities should be given their own positions. That is the fundamental principle of democracy. I am sure, under your guidance and leadership, we are sure to have occasions to facilitate our sentiments.

On behalf of my party, Indian Union Muslim League, I take this opportunity to express deep sense of appreciation and congratulations to you, hon. Madam Speaker.

HON. SPEAKER: Shri Vijay Kumar Hansdak – Not present.

SHRI JOSE K. MANI (KOTTAYAM): Madam Speaker, on behalf of my party, Kerala Congress (M), on my own behalf and on behalf of the august House, let me congratulate you for having been elected as Speaker of the 16th Lok Sabha unanimously.

Experience of more than four decades as a representative of the people in political life will go a long way in keeping the decorum of running this House effectively, efficiently and smoothly. In the history of India, this is the second time when a woman is becoming the Speaker of the Lok Sabha. The hand that rocks the cradle rules the world. Definitely, the backing of this huge experience will make history in the 16th Lok Sabha by running this House effectively and efficiently.

On my behalf, on my Party's behalf and on behalf of this august House, we will give you the fullest support to run the House and bringing the voice of the people to this House.

माननीय अध्यक्ष : माननीय प्रधान मंत्री जी, मंत्रिपरिषद के माननीय सदस्यगण, राजनीतिक दलों के आदरणीय नेतागण तथा माननीय सदस्यगण।

महान भारत की 16वीं लोक सभा के अध्यक्ष पद पर आपके द्वारा मुझे सर्वसम्मति से निर्विरोध निर्वाचित किए जाने के लिए मैं आपकी अत्यन्त आभारी हूं।

मेरे लिए ये क्षण जितने गौरवपूर्ण हैं उतने ही चुनौतीपूर्ण हैं। जो दायित्व आपने मुझे सौंपा है, उसके गुरुतर भार को वहन करने की चुनौती भी मेरे समक्ष है। मैं जानती हूं कि मेरे लिए जो भावपूर्ण उद्गार इस सदन में विभिन्न वक्ताओं द्वारा व्यक्त किए गए हैं, वे प्रकारान्तर से मुझसे की जाने वाली अपेक्षाओं के रूप में भी थे।

इस सदन में पिछले निरंतर पच्चीस वर्ष के मेरे अनुभव के बल पर मैं इन अपेक्षाओं पर खरा उतरने का भरसक प्रयत्न करूंगी और आपको निराश नहीं होने दूंगी, ऐसा आश्वासन मैं आपको देती हूं।

मैं स्वयं भी पूर्ण रूप से आश्वस्त हूं कि आप सभी का सक्रिय सहयोग मुझे सदन को नियमित तथा निर्बाध रूप से चलाने में मिलता रहेगा।

मैं आप सभी को सोलहवीं लोक सभा के लिए निर्वाचित होने पर हार्दिक बधाई देती हूं। हमारे देश के मतदाताओं ने हमें एक सुअवसर दिया है तथा सवा सौ करोड़ से भी अधिक लोगों की आशाओं और आकांक्षाओं को पूरा करने का दायित्व हमें सौंपा है। इस दायित्व का निर्वाह पूर्ण कर्तव्य निष्ठा और समर्पण भाव से करने पर ही हम उस विश्वास को बनाए रख सकते हैं जो भारत की जनता ने हम सब में व्यक्त किया है।

अब हमारे और विशेष रूप से राजनीतिक दलों के नेताओं के समक्ष यह चुनौती है कि हम देश में शांति, प्रगति और खुशहाली के एक नए युग का सूत्रपात करें। इस चुनाव में सुशासन और विकास का सुस्पष्ट जनादेश मिला है जिसका सम्मान कर देश को प्रगति व विकास के पथ पर अग्रसर करना हम सभी का कर्तव्य है।

हाल ही में सम्पन्न आम चुनाव हमारे देश के इतिहास की एक महत्वपूर्ण घटना है जिसमें प्रतिनिधियों को चुनने के लिए सर्वाधिक यानी 66.48 प्रतिशत अर्थात् लगभग 82 करोड़ से भी अधिक मतदाताओं ने मतदान किये जो कि एक रिकार्ड है।

आप सभी को विदित है कि विधायी कार्य हमारा अत्यन्त महत्वपूर्ण कार्य है। जनता के हितार्थ पारित किए जाने वाले अधिनियमों पर अर्थपूर्ण चर्चा सदन का महत्वपूर्ण कार्य है। विस्तृत तथा सर्वांगीण चर्चा के माध्यम से ही हम त्रुटिरहित जनहित साधने वाले कानून बना सकते हैं। मेरा सभी सम्माननीय सदस्यों से अनुरोध है कि वे सदन में सार्थक चर्चा के माध्यम से विधायी कार्य में अपना योगदान दें।

सदन की विभिन्न समितियां भी संसदीय प्रक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। सदन में आने वाले विषयों पर समितियों में विस्तृत चर्चा हो जाने से सदन का महत्वपूर्ण समय भी बचता है। मैं माननीय सदस्यों से अनुरोध करती हूं कि वे सदन की जिस भी समिति के सदस्य बनेंगे, उसके कार्य में अत्याधिक रूचि लेकर विधायी कार्य को गतिमान बनाने में सहयोग करें।

हमारी संसद प्रबुद्ध और सुसंस्कृत चर्चा का मंच हुआ करती थी जिसमें सुविज्ञ और दिग्गज सांसद भाग लेते थे। जहां हम उस शानदार परम्परा का निर्वहन करते हैं वहीं कई बार हम रास्ता भटक भी जाते हैं। स्वस्थ चर्चा की शानदार परम्परा ही हमारा आधार होनी चाहिए ताकि इस महान लोकतांत्रिक संस्था की विश्वसनीयता को और अधिक मजबूत बनाया जा सके।

आज जब मैं पीठासीन अधिकारी के रूप में इस सदन के संचालन के इस नए दायित्व को संभालने जा रही हूं, मैं सभी राजनीतिक दलों के नेताओं और सदस्यों से अपेक्षा करती हूं कि वे सदन के सुचारू संचालन में मुझे सहयोग देंगे और मेरा सदस्यों से निवेदन है कि वे विभिन्न संसदीय साधनों का उपयोग समुचित और प्रभावी ढंग से करें ताकि यह सदन लोकतंत्र की सही मिसाल बन सके।

माननीय सदस्यगण, संसद हमारी सांस्कृतिक विविधता एवं उसमें छिपी हमारी एकता परिलक्षित करती है। संसद इसी अर्थ में नियम बनाने की भूमिका से ऊपर हमारी राष्ट्रीय भावनाओं का प्रतिबिंब है। यहां हम अपनी भूमिका का आकलन सिर्फ अपने संसदीय क्षेत्र के संदर्भ में नहीं कर सकते हैं। हमें व्यापक राष्ट्र निर्माण को लेकर चलना होगा। राष्ट्र सर्वोपरि है, यह भाव भी आवश्यक रखना होगा।

संसदीय जनतंत्र में अलग-अलग राजनैतिक विचारों का प्रतिनिधित्व करने वाले सदस्य सदन में होने स्वाभाविक हैं, परन्तु फिर भी सम्माननीय सदस्यों का सदन की कार्यवाही में समान रूप से सहभागी होना, समान रूप से विभिन्न विषयों पर चर्चा करके एक सर्वमान्यता बनाना, यह अपेक्षित होता है, क्योंकि हमारी मान्यता है कि --

समानो मत्रः समितः समानी, समानं मनः सहचित्तमेषाम्।

समानं मत्रमभिमत्रये वः, समानेन वो हविषा जुहोमि।।

हम सबकी एक सामान्य, एक कॉमन, हम सब लोग प्रार्थना करेंगे और कोई एक सर्वसामान्य उपलब्धि, एक सर्वसामान्य हमारे मन में भाव रखकर, हम सभी मिलकर एक समान ध्येय की तरफ आगे बढ़ें, यही इसमें अपेक्षित है और मुझे विश्वास है कि माननीय सदस्य अपने इस दायित्व को ध्यान में रखकर सदन के कार्य में सहभागी बनेंगे।

माननीय सदस्यगण, यह हर्ष का विषय है कि हमारे माननीय प्रधान मंत्री जी ने, क्योंकि यहां बार-बार जो बात उठी कि छोटे दल, एक सदस्य, दो सदस्य, तो मैं थोड़ा सा कहूंगी कि माननीय प्रधान मंत्री जी ने निर्वाचन के परिणामों की घोषणा के पूर्व ही संकेत किया था कि वे सवा सौ करोड़ भारतीयों के प्रधान मंत्री होंगे तथा उनके लिए हर सांसद, उनके लिए, हम सबके लिए और मेरे लिए भी हर सांसद समान रूप से महत्वपूर्ण होगा।

मेरे जीवन में प्रातः स्मरणीय लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर मेरी प्रेरणा स्रोत एवं आदर्श रही हैं। मैं महताब जी को धन्यवाद दूंगी, जिन्होंने इस बात को रिकोग्नाइज किया। वहां मूर्ति लग गयी है, उसे देखा भी है। उसके पीछे कई भाव भी हैं। अपनी राजनीतिक यात्रा में मुझे लोकतंत्र की कई महान् हस्तियों के साथ काम करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। संसद के साथ मेरा संबंध नौवीं लोक सभा से प्रारंभ होकर अब तक जारी है। मुझे अनेक पदों पर रहते हुए विभिन्न संसदीय समितियों के सभापति और सदस्य के रूप में; लोक सभा की सभापति तालिका के सदस्य के रूप में; विभिन्न मंत्रालयों में केन्द्रीय मंत्री के रूप में अपने देश और देशवासियों की सेवा करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है।

मेरा सार्वजनिक जीवन विविध घटनाओं से भरा और सक्रिय रहा है। मुझे राष्ट्र हित में योगदान और इसके माध्यम से अपने जीवन को नया आयाम देने का यह सुअवसर मिला है, जिससे मुझे असीम संतोष का अनुभव हो रहा है और इसके लिए मैं आप सबकी आभारी भी हूं।

श्री जी.वी. मावलंकर से लेकर आज तक मेरे सभी पूर्ववर्ती अध्यक्षों का प्रयास रहा है कि संसदीय लोकतंत्र की परम्पराओं को कायम रखा जाये और सभा के सुचारू संचालन के लिए परिपाटियां और नियम बनाये जायें। उनसे मिली महान विरासत के लिए मैं उन्हें आदर पूर्वक स्मरण करती हूं। आवश्यकता पड़ने पर नयी स्वस्थ परम्पराएं भी हम सब मिलकर प्रारंभ करें, यह मेरा प्रयास रहेगा।

मैं पुनः इस सभा के प्रति आभार व्यक्त करती हूं कि उन्होंने सभा की अध्यक्षता के लिए मुझमें अपना विश्वास व्यक्त किया है।

मैं विशेष रूप से माननीय प्रधानमंत्रीजी तथा सभी दलों और समूहों के माननीय नेताओं और सभी माननीय सदस्यों को उनके समर्थन के लिए धन्यवाद देती हूँ। इस अवसर पर मैं सामयिक अध्यक्ष श्री कमलनाथ जी को भी हार्दिक धन्यवाद देती हूँ जिन्होंने अध्यक्ष पद पर मेरे निर्वाचन से पहले, सभा के गरिमापूर्ण और निर्विघ्न संचालन की परम्परा कायम रखी है।

मुझे विश्वास है कि दक्ष लोक सभा सचिवालय, जिसका कल ही हमें एक परिचय भी मिला, हमारे सेक्रेटरी जनरल ने जिस तरीके से दिनभर यहां बैठकर पूरी सभा को कंडक्ट किया, तो सचिवालय की सहायता और पूर्ण सहयोग से मैं सभा की अपेक्षाओं को पूरा कर पाऊंगी और अंत में, मैं सभी माननीय सदस्यों का आह्वान करती हूँ कि वे लोकतंत्र के इस मंदिर के माध्यम से देश और देशवासियों की सेवा के प्रति स्वयं को समर्पित करें। सभी की तरफ से, मैं उस जगन्नीयता को प्रार्थना करती हूँ।

"अजय्यम् आत्मसामर्थ्यम्, सुशीलम् लोकपूजितम् ।

ज्ञानम् च देहि विश्वेश, ध्येयमार्ग प्रकाशकम् ।।"

बात वही है कि हम उस विश्व के पालनकर्ता से प्रार्थना करें कि हमें ऐसी आत्मशक्ति दे, जिससे हमें आज जिसकी आवश्यकता है, सुशील, एक वर्चुअस कैरेक्टर की, जिसकी सामान्य जनता सम्मान करती है, उसके साथ ऐसा ज्ञान भी हमें मिले जो हमारे मार्ग को, हमारे ध्येय के प्रति जाने के लिए प्रकाशमान करे। इन सभी भावनाओं के साथ फिर एक बार आपका हार्दिक-हार्दिक आभार।